12.41 hrs.

PETITION RE ENQUIRY INTO AFFAIRS OF CONTAINERS AND CLOSURES LIMITED AND ITS NATIONALISATION

SHRI SAUGATA ROY (Barrackpore) I beg to present a petition signed by Shri Raghunath Ghosh, General Secretary Containers and Closures Staff and Shramik Union Gorifa 24—Parganas regarding enquiry into affairs of the Containers and Closures Limited and its nationalisation

---

12.41½ hrs

STATEMENT RE REOPENING OF RAILWAY SPONSORED STUDENTS' HOSTEL AT PATNA JUNCTION

रेल मन्त्री (प्रो० मधु दण्डवते) : अध्यक्ष महोदय, कल श्री राम विलास पासवान ने मई 1974 मे पटना मे रेलवे सहायता प्राप्त छात्रावास के बन्द किये जाने तथा इसे पुन न खोलने के सम्बन्ध मे किये गये हाल के निर्णय का उल्लेख किया । मैंने कल सदन को आश्वासन दिया था कि एक दिन के अन्दर इस सम्बन्ध मे अंतिम निर्णय कर लिया जायेगा । मुझे यह सूचित करते हुए प्रसन्नता होती है कि पटना मे सहायता प्राप्त छात्रावास जो बन्द होने के 15 वर्ष पूर्व से चल रहा था को पुन खोलने का आज निर्णय कर लिया गया है । छात्रावास के सुचारूरूप से सचालन की व्यवस्था करने के लिये पूर्व रेलवे के महाप्रबधक को आवश्यक अनुदेश जारी किये जा रहे है । यह भी निश्चय किया गया है कि आवेदन-पत्रो की समुचित छानबीन की जायेगी ताकि केवल पात्र छात्रो को ही छात्रावास मे भर्ती किया जाये ।

SHRI N SREEKANTAN NAIR (Quilon) On a point of order Generally Ministers make statements in English because in this House we do not understand Hindi If he wants, he can lay the Hindi version on the Table, that was the practice all along May I request him to speak in English?

MR SPEAKER The Member had raised it in Hindi, you were not present when the Member spoke in Hindi that is why he is making a statement in Hindi There is no point of order in this

---

12 43 hrs

MATTERS UNDER RULE 377

(1) REPORTED PRESS RELEASE BY THE RAILWAYS ABOUT HOLDING UP OF RAILWAY WAGONS BY COAL INDIA LTD ETC

श्री निर्मल चन्द्र जैन (सिवनी) : 27 मार्च का रेलवे ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की है जो 28 मार्च का हिन्दुस्तान टाइम्स और टाइम्स आफ इन्डिया मे छपी है । उसमे इन शब्दो का प्रयोग किया गया है ।

'The blame must surely rest on Coal India Ltd, the collieries, the steel plants and some other thermal power plants who receive coal on priority but hold up the wagons"

रेलवे का यह कहना है इस प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा कि 10 हजार वैगन प्रति दिन इन को देते है, जिन मे से कोल इन्डिया लि० के खदानो से 900 वैगन प्रति दिन नही भर पाते है और इस तरह से 9 प्रतिशत शक्ति का नुकसान होता है और कोयला खदानो के मुह पर पडा रहता है । इस्पात के कारखानो मे स्टील प्लान्टस मे 2300 बोक्स वैगन्स प्रति दिन नही भरे जाते हैं और वे यहा पर पडे रहते हैं और थर्मल पावर प्लान्ट 300 वैगन्स प्रति दिन भरने मे असमर्थ रहते है । इस के कारण